



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भौजन कृषि अखबार	30.5.21	3	3-6

किसानों के लिए संघर्षरत रहे चौ. चरण सिंह : वीसी

जागरण संगददाता, हिसार: देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कर्मसु वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे।

ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। उन्होंने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पूष्ट अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

देश के विकास का रास्ता गांवों से होकर जाता है: कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि



चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। • विज्ञप्ति

राजनेता के साथ अच्छे लेखक भी थे पूर्व प्रधानमंत्री

कुलपति ने कहा कि राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चौधरी चरण सिंह

द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर इमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सब्जी श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुपन अर्पित किए। कार्यक्रम समारोह में कोरोना महामारी के बलते सामाजिक दूरी, सेनिटाइजेशन व मारक का विशेष ध्यान रखा गया।

किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं, तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है।

देश के विकास का रास्ता गांवों से होकर जाता है: कुलपति ने कहा कि खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक

स्थिति ठीक नहीं होगी, देश की प्रगति संभव नहीं है।

ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर

संभव प्रयास किया। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है, जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र को आमदनी अधिक हो।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पैनडु मासिक	३०.५.२१	२	३-६

स्व. चौधरी चरण सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित कर एचएयू के वीसी ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि
पूर्व पीएम ने कहा था, देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों से होकर गुजरता है

भास्कर न्यूज़ | हिसार

देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वां के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काबोज ने व्यक्त किए। वे शनिवार को



पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुण्य अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। वीसी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच

पाता है। देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्राति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है।

कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना उनका मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदानी अधिक हो। कार्यक्रम समारोह में कोरोना महामारी के चलते सामाजिक दूरी, सेनिटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया।

पुण्यतिथि पर अनेक संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

हिसार | पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 34वीं पुण्यतिथि पर अनेक संगठनों व संस्थाओं ने शनिवार को हक्की में उनकी प्रतिमा पर पुण्य अर्पित किए। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के युवा प्रदेशाध्यक्ष विरेन्द्र नरवाल ने कहा कि चौधरी चरण सिंह गांव, गरीब और किसानों के मसीहा थे। पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं, तभी थालियों तक पहुंच पाता है। इस मौके पर संस्थाओं और संगठनों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उम्भुजाला	३०.५.२१	५	१-२

जीवन भर किसान, कमेरा वर्ग के लिए संघर्षरत रहे चौ. चरण सिंह : प्रो. बीआर कांबोज

हिसार (ब्लूरो)। पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह जीवन पर्यात किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार से होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे।

उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। वे विचार चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहे। वे शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर

विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पूष्ट अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थलियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का रस्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। वे जीवन पर्यन्त विश्वविद्यालय उनकी नीतियों, उनकी सोच के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब न्यूज़री	३०.५.२१	४	३-४

'जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहे चौधरी चरण सिंह'

हिसार, 29 मई (पैकेस): पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्णीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भाँति जानते थे।

यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा वहितैशी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे।

वे शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34 वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्ट अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियोंके अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है।



पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्य तिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्मत्यार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिंह पत्र	29.05.2021	--	--

जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहे चौधरी चरण सिंह: प्रोफेसर काम्बोज पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मिट्टी पत्ते चुनू, हिमार। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पल-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भाली जानते थे। वही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितों कहा गया। वे निचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा। वे शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पृष्ठ विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद घोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी धारियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का यस्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बहद जरूरी है। उन्होंने अपने



संपत्र है सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदानी अधिक हो।

राजनेता के साथ अच्छे लेखक भी

थे चरण सिंह उन्होंने कहा कि राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। काव्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों वा एक समूह पेश किया। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुकूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर इमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा किसानों को प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो वह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होंगी। इस काव्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारिय व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। काव्यक्रम समाप्त है में कारोना महामारी के चलते सामाजिक दूरी, सेनिटाइजेशन व साम्प्रक का विशेष ध्यान रखा गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभछोर	29.05.2021	--	--

पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह को दी श्रद्धांजलि

हिसार/29 मई/रिपोर्टर

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भाँति जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे आज पूर्व प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुण्य अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था

किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी धारियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। वे जीवनपर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदनी अधिक हो। उन्होंने कहा कि राजनेता होने के साथ ही पूर्व

प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	29.5.2021	--	--

सार समाचार

जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहे चौधरी चरण सिंह: प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज़: हिसार, 29 मई। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पलन-बढ़ होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे।



यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्राफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुण्य अर्पित कर ब्रह्मांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का रस्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। वे जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। कुलपति महोदय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना उनका मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदनी अधिक हो।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	29.04.2021	--	--

जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहे चौधरी चरण सिंह : प्रो. बी.आर. काम्बोज पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि



पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 मई : देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वार्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए मंथंप करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भाली जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितेपी कहा गया। वे विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

राजनेता के साथ अच्छे लेखक भी थे चरण सिंह उन्होंने कहा कि राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह गेश किया। कुलपति ने कहा कि वे विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम बुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिया ए गए मार्ग पर चलकर इमानदारी व निष्पूर्वक कार्य करते हुए देश प्रदेश तथा किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगा। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम समाप्त होने के चलते सामाजिक दूरी, सेनिटाइजेशन व मास्क का विषेष ध्यान रखा गया।

के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे वे शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में श्यायित उनकी प्रतिमा पर पूष्ट अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाट चौल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी आतिथी तक पहुंच पाता है। देश के विकास का गासा गांवों के खेतों व खालिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बहेद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। वे जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। कुलपति महोदय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना उनका मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र को आमदनी अर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार प्रत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	29.05.2021	--	--

समस्त हरियाणा

शनिवार, 29 मई, 2021

2

जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहे चौधरी चरण सिंह : प्रोफेसर काम्बोज

**पूर्व प्रधानमंत्री को
श्रद्धासुमन अर्पित कर
दी भावभीनी श्रद्धांजलि**

समस्त हरियाणा चूज

हिसार। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए समर्पित करते रहे। प्रार्थीण धर्मिण में जन्म लेते व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पहुंच हुए होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को खली-भाँति जानते थे। वही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मरींहा व हितीयी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दी.आर. काम्बोज ने कहे। वे



शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद आते हैं। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मनना यह कि किसानों की अधिकार स्थिति लोक जनों होनी देश को प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है।

उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयत्न किया। ये जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संरपण करते रहे। कुलपति महोदय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मनना उनका मानना यह कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उनके प्रार्थीण लोक जीवित किया गया हो तथा शारीरिक शेष को अपनानी अर्थात् हो।

**राजनेता के साथ अच्छे
लोक भी थे चरण सिंह**
उन्होंने कहा कि राजनेता होने के साथ ही युवालयों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की अधिकार स्थिति लोक जनों होनी देश को प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है।

समृह ऐशा किया। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय विद्यक साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जूँह है, उनके नीतियों के अनुकूल देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से काम कर रहा है। उन्होंने कहा चौद देश में जीवन चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर लालकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश व देश किसानों की प्राप्ति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सब्जी श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जीवन चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
१५०५२५ अगस्त	३०.८.२१	३	३

किसानों के लिए करते रहे संघर्ष : कुलपति

हिसार (निस) : पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प आर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कामबोज ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनेता होने के साथ-साथ वह एक अच्छे लेखक भी थे।